

Chapter- 13

वाक्य**STUDY NOTES**

- सार्थक शब्दों का वह समूह वाक्य कहलाता है जो एक अर्थ प्रकट करता है।

वाक्य के अंगः

वाक्य के दो अंग होते हैं –

- उद्देश्य
- विधेय

उद्देश्य

वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाता है, वह उद्देश्य कहलाता है। इसमें मुख्य रूप से कर्ता आता है। जैसे – मंदीप और सुदीप कहानी पढ़ रहे हैं।

यहाँ मंदीप और सुदीप कर्ता हैं। वाक्य में उनके संबंध में बात की जा रही है अतः ये उद्देश्य हैं।

विधेय

उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाता है, वह विधेय कहलाता है। इसमें मुख्य रूप से क्रिया, कर्म और उनका विस्तार आदि आता है। जैसे –

मंदीप और सुदीप कहानी पढ़ रहे हैं।

यहाँ कहानी कर्म और पढ़ रहे हैं क्रिया है। यह वाक्यांश मंदीप और सुदीप के बारे में कहा जा रहा है अतः यह विधेय है।

वाक्य के प्रकार

वाक्य के प्रकार दो आधार पर होते हैं –

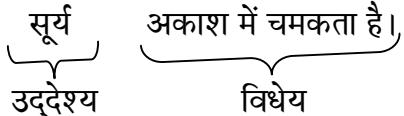
- रचना के आधार पर
- अर्थ के आधार पर

रचना के आधार पर

रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैं –

- क) सरल वाक्य
- ख) संयुक्त वाक्य
- ग) मिश्रित वाक्य
- क) सरल वाक्य :

सरल वाक्य में एक उद्देश्य और एक विधेय होता है।

जैसे – 

- ख) संयुक्त वाक्य :

संयुक्त अर्थात् जुड़ा हुआ। इसमें दो वाक्यों को योजक चिह्नों की सहायता से जोड़कर वाक्य बनाया जाता है।

जैसे – अरूण खेल रहा है और विभीर पढ़ रहा है।

योजक चिह्न – और, या, किंतु, परंतु, तथा, एवं आदि।

- ग) मिश्रित वाक्य :

मिश्रित अर्थात् मिला-जुला। जिसमें एक वाक्य प्रधान हो और उसमें एक या अधिक आश्रित उपवाक्य जोड़ दिए गए हों, वह मिश्रित वाक्य कहलाता है।

जैसे – पिता जी मेरे लिए एक साइकिल लाए, जिसका रंग लाल है।

मिश्रित वाक्य के योजक शब्द – क्योंकि, कि, जब-तब, जैसा-वैसा, जो-वह, जिसका, जिसमें, जिसे आदि।

